(ख) यदि हां, तो उनके व्यवहार में सुधार लाने के लिए प्राइवेट बस मालिकों को क्या सुझाव दिये गये हैं ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) और (ख) ऐसे कुछ मामले दिल्ली परिवहन निगम/सरकार के ध्यान में आये हैं । निजी प्रचालकों की बसों के ड्राइवरों तथा अन्य कर्मचारियों द्वारा किए जाने वाले दुर्व्यवहार को, दिल्ली परिवहन निगम और निजी प्रचालकों के बीच हुए समझौते में, चूकों/गलतियों का एक हिस्सा बना दिया गया है । शिकायतें प्राप्त होने पर जहां आवश्यक होता है, निजी प्रचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाते हैं तथा उन पर दंड/जुर्माने लगाए जाते हैं। निगम ने निजी बस प्रचालन को जांच आदि के माध्यम से नियमित करने के लिये एक तंत्र का गठन किया है जो एक वरिष्ठ अधिकारी के नियंत्रणाधीन कार्य करेगा। ये जांच स्वतंत्र रूप से अथवा यातायात पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त रूप से की जाती है ।

Allocation of Fond to handloom sector in Tamil Nadu

@1720. SHRI R. T. GOPALAN: Will the Minister of State for TEXTILES be pleased to state:

(a) What allocations have been made by the Central Government for the development of handloom sector in Tamil Nadu during the year 1990-91; and

(b) what are the details of the plan for the year 1992-93?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) and (b) Allocation of funds to the handloom sector is made scheme-wise and not state-wise on the basis of proposals/schemes received from the State Governments. During 1990-91, a sum of Rs. 3624.64 lakhs was released to the State of Tamil Nadu for the schemes in operation in the State.

कालीनों का निर्यात

@@1721. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चालू वित्त वर्ष के दौरान देश से वस्तुनिर्मित कालीन के निर्यात संबधी स्थिति क्या है ; और

(ख) ऐसे कालीनों का किन-किन स्थानों से कितना-कितना निर्यात किए जाने की संभावना है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) 1991 (अप्रैल–सितम्बर) के दौरान हाथ से बने ऊनी/रेशमी/संश्लिष्ट यार्न कालीनों, नमदों, दरियों आदि के निर्यात 273.05 करोड़ रुपये (अनंतिम) के हुए ।

(ख) निर्यात आंकड़े की स्थानवार मात्रा उपलब्ध नहीं है । तथापि भारत से हाथ से बने ऊनी कालीनों के कुल निर्यात में भदोही-मिर्जापुर क्षेत्र से करीब 70 प्रतिशत निर्यात हुआ और शेष निर्यात में श्रीनगर, जयपुर, आगरा आदि का योगदान रहा है ।

कालीन वित्त निगम का स्थापित किया जाना

@@@1722. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार की अनुदार बैंकिंग नीति के कारण कालीन

@Previpusly Unstarred Question 1051, transferred from the 3rd December, 1991.

@@पूर्वतः अतारांकित प्रश्न 1025, 3 दिसम्बर, 1991 से स्थानांतरित ।

@@@पूर्वतः अतारांकित प्रश्न 1026, 3 दिसम्बर, 1991 से स्थानांतरित ।

निर्यातकों के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार कालीन निर्माताओं और निर्यातकों को पर्याप्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए एक पृथक कालीन वित्त निगम की स्थापना करने पर विचार कर रही हैं ? और

(ग) इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) इस समय कालीन निर्यात में कोई भी आर्थिक संकट सुस्पष्ट नहीं है ।

(ख) एक पृथक कालीन वित्त निगम की स्थापना करने का कोई भी प्रस्ताव नहीं है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

Revival of Sick Textile Mills

1723. SHRI KRISHAN LAL SHARMA:

SHRI R. T. GOPALAN:

SHRI KAMAL MORARKA:

Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) what is the number of sick tex tile mills in the country at present;

(b) what is the number of textile mills which had gone sick during the past 5 years and what are the reasons for growing sickness in textile industry;

(c) what is the number of sick textile mills taken over by the National Textile Corporation during the last 3 years, year .wise;

(d) whether any measures have been taken to revive the old and sick textile mills; if so, the details there of; and

(e) what progress have been made in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) As on 30th September, 1991, 107 textile mills are reportedly lying closed in the country.

(b) 35 textile mills had gone sick during the past 5 years. The main reason for sickness is competition from the decentralised powerloom sector units and the organised mill sector losing ground to powerlooms in the decentralised sector on account of their greater cost effectiveness. Other causes are excess capacity low productivity, due to lack of modernisation and excess labour, increase in cost of inputs etc.

(c) During the last 3 years (1988-89 to 1990-91) neither Central Government nor NTC has taken over the management of any of the textile mills in the country.

(d) and (e) Government had set up a Nodal Agency to evolve and implement packages for the revival of closed/sick textile mills found to be viable. Government has also set up a Board for Industrial and Finan cial Reconstruction (BIFR) to deter mine and enforce the preventive ame liorative and remedial measures for the revival of sick industrial units. The facility of special loan at con cessional rate is being given to weak but viable units.

Production in BICL, Kanpur

1724. PROF. SAURIN BHATTA-CHARYA: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) what are the details regarding rate of production achieved during the past six months in the subsidiary companies and in the units or branches of the British India Corporation Limited;

(b) what are the details of employees terminated as well as recruited during the period;

(c) whether it is also a fact that erratic ways of management have